St. Mary's Convent Inter College, Prayagraj
First Terminal Examination 2025-26
Subject - Hindi

Time : 3hrs. **Class - 9** **M.M. : 80**

Name : ..... **Roll No. .....** **Date : .....**

Section 'A' (40 Marks)

प्रश्न-1 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (15)

क- त्योहार हमें उमंग और उल्लास से भरकर अपनी संस्कृति से जोड़े रखते हैं। आजकल लोगों में त्योहारों को मनाने के प्रति उत्साह एवं आस्था का अभाव देखा जाता है। लोगों की इस मानसिकता का कारण बताते हुए जीवन में त्योहारों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

ख- यात्रा एक उत्तम रुचि है। यात्रा करने से ज्ञान तो बढ़ता ही है, स्थान विशेष की संस्कृति तथा परपराओं का परिचय भी मिलता है। अपनी किसी यात्रा के अनुभव तथा रोमांच का वर्णन करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

ग- हमारे देश में जनसंख्या बढ़ती जा रही है और संसाधन घटते जा रहे हैं। आपकी दृष्टि में जनसंख्या और संसाधनों के बीच संतुलन किस प्रकार बनाया जा सकता है? स्पष्ट रूप में लिखिए।

घ- "ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया"-इस उक्ति को आधार बनाकर एक मौलिक कहानी लिखिए।"

प्रश्न-2 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। (7)

क- दैनिक जागरण प्रयागराज के संपादक के नाम पर पत्र लिखकर अपने क्षेत्र में विदेश भेजने के नाम पर लूटने वाले दलालों की गतिविधियों की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कीजिए।

ख- आपका छोटा भाई अपना अधिकांश समय मोबाइल फोन के उपयोग में बिताता है। मोबाइल फोन के अधिक उपयोग से होने वाली हानियों का उल्लेख करते हुए उसे पत्र लिखिए।

प्रश्न-3 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए। (10)

बहुत समय पहले एक गाँव में हरिहर नाम का एक दयालु और सीधा-सच्चा किसान रहता था। वह खेती-बाड़ी का काम करता था। वह पूरे दिन अपने खेत में जी-तोड़ मेहनत करता था और शाम के समय ईश्वर की प्रार्थना में बिताता था। जीवन में उसकी एक मात्र इच्छा थी कि वह उडुपी के मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करना चाहता था। उडुपी कर्नाटक का प्रमुख तीर्थस्थान है। वह अपनी गरीबी के कारण तीर्थस्थल की इच्छा पूरी नहीं कर पाता था। इसी तरह कुछ वर्ष बीत गए समय के साथ-साथ हरिहर की आर्थिक स्थिति भी सुधरती गई। अबकी उसने तीर्थयात्रा की योजना बनाई। उसकी पत्नी ने उसके लिए पर्याप्त भोजन बाँध दिया।

हरिहर तीर्थयात्रियों के एक दल के साथ उडुपी की ओर चल दिया। मार्ग में उसे एक स्थान पर एक बूढ़ा आदमी मिला। उसकी दशा बहुत ही दयनीय थी। वह कई दिनों से भूखा-प्यासा था और पीड़ा के कारण कराह रहा था। जैसे ही हरिहर की नजर उस पर पड़ी, उसका हृदय करुणा से भर गया। उसने बूढ़े के पास जाकर पूछा,"बाबा, क्या तुम भी तीर्थयात्रा करने उडुपी जा रहे हो?" "बूढ़े आदमी ने उत्तर दिया,"मेरा एक बेटा बीमार है और दूसरे बेटे ने भी तीन दिनों से कुछ नहीं खाया। फिर मैं तीर्थयात्रा कैसे करूँ।"

हरिहर समझता था कि दीन-दुःखियों की सेवा ही ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा है, इसलिए उसने उडुपी जाने से पहले उस बूढ़े के घर जाने का निश्चय किया। उसके साथियों ने उसे बहुत समझाया। "बहुत मुश्किल से तुमने धन एकत्र किया है, अगर यह नष्ट हो गया तो फिर तुम कभी तीर्थयात्रा नहीं कर पाओगे।" हरिहर पर उनकी बातों का कोई प्रभाव न पड़ा। वह बूढ़े के घर पहुँचा। उसने सबसे पहले घर के सभी व्यक्तियों को भरपेट भोजन कराया। फिर वह बीमार बच्चे के लिए दवा ले आया। उसने बूढ़े आदमी को खेत में बोने के लिए बीज भी ला दिए। वह कुछ दिन वहाँ

रुका। उसने बूढ़े आदमी के बेटे की सेवा की, जिससे वह कुछ दिनों में स्वस्थ हो गया, लेकिन इन सारे कार्यों में उसके सारे पैसे खर्च हो गए।

अब उसने तीर्थयात्रा बीच में ही छोड़कर वापस घर लौटने का निश्चय किया। उसे उडुपी न जा पाने का बिल्कुल भी दु:ख न था, क्योंकि वह जानता था कि उसने अपना सारा धन दीन-दु:खियों की सेवा में खर्च किया था। घर पहुँचकर उसने अपनी पत्नी को सारी बात बता दीं। पत्नी भी इस पर प्रसन्न हुई, क्योंकि वह भी धार्मिक स्वभाव की महिला थी। उस रात हरिहर ने सपने में भगवान श्रीकृष्ण को देखा, जो उससे कह रहे थे, "हरिहर तुम मेरे सच्चे भक्त हो। तुमने उस बूढ़े आदमी की सहायता की और अपनी इच्छा का बलिदान कर दिया। वह बूढ़ा आदमी कोई और नहीं, मैं ही था। तुम्हारी परीक्षा के लिए मैं उस बूढ़े आदमी का वेश धारण कर वहाँ आया था। तुम मेरे सच्चे सेवक हो।" इस तरह हरिहर बिना तीर्थयात्रा पर गए पुण्य का भागीदार बना।

(क) हरिहर क्या काम करता था? उसकी एकमात्र इच्छा क्या थी?

(ख) हरिहर को तीर्थयात्रा के मार्ग में कौन मिला? उसकी क्या स्थिति थी?

(ग) हरिहर ने बूढ़े व्यक्ति की कैसे सहायता की?

(घ) हरिहर ने घर लौटने का निश्चय क्यों किया? वहाँ लौटने पर हरिहर ने क्या स्वप्न देखा?

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

प्रश्न-4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए-

क- 'अनुराग' का विलोम बताइए। (1)

(a) राग (b) विराग (c) सुराग (d) पराग

ख- 'तालाब' का पर्यायवाची बताइए। (1)

(a) सरि-सरिता (b) तड़ाग-पराग (c) सर-सरोवर (d) पोखर-पाथर

ग- 'काला' की भाववाचक संज्ञा बताइए। (1)

(a) काली (b)कलिमा (c) कलात्मक (d) कालिमा

घ- 'पत्थर' का विशेषण बताइए। (1)

(a) पथरी (b)पाथरी (c) पत्थरशिला (d) पथरीला

ङ- 'उन्नीस बीस का अंतर' मुहावरे का अर्थ बताइए। (1)

(a) अत्यधिक अंतर होना (b) गिनती का अंतर होना

(c) एक समान होना (d) बहुत कम अंतर होना

च- 'पराचीन' का शुद्ध रूप क्या है? (1)

(a) पराचिन (b) प्राचीन (c) पराधीन (d) प्राचिन

छ- निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए। (1)

1- करे कार्य पूरा ईश्वर आपका हो (शब्दों को क्रम से लिखकर उचित वाक्य लिखिए)

(a) ईश्वर कार्य आपका पूरा करे। (b) ईश्वर आपकी कार्य पूरा करे।

(c) ईश्वर आपको पूरा करे। (d) ईश्वर करे आपका कार्य पूरा हो।

2- लक्ष्मीबाई वीर थीं। (वाक्य शुद्ध कीजिए) (1)

(a) लक्ष्मीबाई विदुषी थीं। (b) लक्ष्मीबाई विदुशी थी।

(c) लक्ष्मीबाई वीरांगना थीं। (d) लक्ष्मीबाई वीर अंगना थीं।

Section 'B' (40 Marks)

निम्नलखित प्रश्नो में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए | प्रत्येक पुस्तक से एक प्रश्न करना अनिवार्य है |

साहित्य सागर (संक्षिप्त कहानियाँ)

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

प्रश्न 5 "यहाँ इतने सालों से हूँ। अमीर लोग नौकरों पर विश्वास नहीं करते पर मुझ पर यहाँ कभी किसी ने संदेह नहीं किया। यहाँ से जाऊँ तो शायद कोई ग्यारह-बारह दे दे, पर ऐसा आदर नहीं मिलेगा।" [10]

क) वक्ता ने यह बात किस भाव में कही है? वह अपने अनुभव के माध्यम से क्या व्यक्त करना चाहता है?

ख) अमीर लोग आमतौर पर नौकरों पर भरोसा क्यों नहीं करते, और वक्ता इसके विपरीत अपनी स्थिति को कैसे दर्शाता है?

ग) वक्ता को "ग्यारह-बारह मिल जाना" और "आदर न मिलना" — इन दोनों बातों में से किसे अधिक महत्त्वपूर्ण मानता है? अपने उत्तर को स्पष्ट करें।

घ) इस पंक्ति से हमें वक्ता के स्वभाव और जीवन-मूल्यों के बारे में क्या जानकारी मिलती है?

प्रश्न 6) " एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा |" [10]

क) किसका हृदय क्यों खिल उठा?

ख) श्यामू ने कौन-सी चीज किस उद्देश्य से मँगवाई थी?

ग) इस कार्य में उसकी मदद किसने की उसका परिचय दें|

घ) अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए श्यामू ने पैसों की व्यवस्था किस प्रकार की?

प्रश्न 7) "क्या विचार है सेठ जी, यज्ञ बेचना है की नहीं?" [10]

क) धन्ना सेठ की पत्नी, सेठ जी के किस यज्ञ को खरीदना चाहती थी और क्यों?

ख) धन्ना सेठ की पत्नी की उपर्युक्त बात सुनकर सेठ की क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों?

ग) सेठ को खाली हाथ वापस आया देख सेठानी की क्या प्रतिक्रिया हुई? उन्होंने उनसे क्या पूछा?

घ) सेठ जी द्वारा सारी बात बताने पर सेठानी ने किस प्रकार का व्यवहार किया?

(एकांकी संचय)

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

प्रश्न 8) "यह कटु सत्य हमें स्वीकार करना ही चाहिए | इसलिए उनके होते हमें कुछ भी करने का अधिकार न हीं था और न है|"

क) वक्ता और श्रोता कौन है? परिचय दीजिए| [10]

ख) अवतरण में 'कटु सत्य' से क्या तात्पर्य है? लेखक ने इसे स्वीकार करने की बात क्यों कही है?

ग) 'उनके' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? उसका परिचय दीजिए|

घ) वक्ता को ऐसा क्यों लगता है कि उनके होते हमें कुछ भी करने का अधिकार नहीं था और न है?

प्रश्न 9) "निर्मम ही नहीं कायर भी| जिन संस्कारों में तुम पली हो, उन्हें तोड़ने की शक्ति तुम में नहीं है, माँ|" [10]

क) इस अवतरण में 'निर्मम' और 'कायर' शब्दों का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है? इन शब्दों से वक्ता की मनःस्थिति का क्या पता चलता है?

ख) "जिन संस्कारों में तुम पली हो, उन्हें तोड़ने की शक्ति तुम में नहीं है" — इस वाक्य से समाज की किन जड़ परंपराओं की ओर संकेत किया गया है|

ग) उपर्युक्त पंक्तियों से माँ और संतान के मध्य किस प्रकार का टकराव झलकता है?

घ) इस अवतरण के माध्यम से लेखक किस सामाजिक या पारिवारिक समस्या को उजागर करना चाहता है?

प्रश्न10) "कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है,बेटा|" [10]

क) वक्ता कौन है? उसने उपर्युक्त वाक्य कब तथा किससे कहा?

ख) वक्ता की बेटी के ससुराल वालों की किस काम से उनकी आँखें खुलीं?

ग) "कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है,-वाक्य का सन्दर्भ सहित आशय स्पष्ट कीजिए|

घ) वक्ता ने प्रमोद से क्या कहा?